डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848125 (बिहार)

पूसा कृषि महोत्सव-2026

03-05 दिसम्बर, 2026

8वीं IIRF रैंकिंग 2026

14वीं NIRF रैंकिंग 2025

"उन्नत कृषि से विकसित भारत की ओर"









आयोजक

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर-848125 (बिहार)



पूसा विश्वविद्यालय का गौरवशाली इतिहास

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RPCAU), पूसा, समस्तीपुर, बिहार, एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, जिसकी स्थापना 7 अक्टूबर, 2016 को पूर्ववर्ती राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (स्थापनाः 3 दिसंबर, 1970) के उन्नयन के फलस्वरूप हुई। पूसा का कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसकी शुरुआत 5 जुलाई 1784 को हॉर्स ब्रीडिंग स्टड फार्म के लिए बूढ़ी गंडक नदी के किनारे के पास की ज़मीन का अधिग्रहण करके किया गया। तत्पश्चात, यहाँ 1 अप्रैल, 1905 को इम्पीरियल कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना हुई, जिसे भारत में संगठित कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा की आधारशिला माना जाता है। इसी संस्थान में वनस्पति विज्ञान, कृषि रसायन विज्ञान, कवक विज्ञान एवं कीट विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर पर उच्च कृषि शिक्षा की शुरुआत हुई थी। इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा के माध्यम से कृषि विकास में योगदान दे रहा है। इसका कार्यक्षेत्र पूरे देश में, विशेष रूप से बिहार राज्य में, विस्तारित है।

पूसा कृषि महोत्सव : एक नजर

- उन्नत कृषि से विकसित भारत की ओर के लक्ष्य को साकार करने हेतु किसानों को नवोन्मेषी कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक खेती के तरीकों से अवगत कराना।
- उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि यंत्रों तथा नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन एवं प्रचार–प्रसार करना।
- फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य कृषि संबंधी क्षेत्रों में नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।
- किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के बीच संवाद स्थापित कर ज्ञान एवं अनुभवों का आदान–प्रदान बढ़ाना।
- क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयोगी एवं जलवायु–अनुकूल कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुँचाना।
- खेती को अधिक लाभकारी एवं सतत् बनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों की आय में सुधार करने में योगदान देना।





पूसा कृषि महोत्सव : मुख्य उद्देश्य

"उन्नत कृषि से विकसित भारत की ओर" के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस पूसा कृषि महोत्सव– 2026 का उद्देश्य किसानों को नई कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक कृषि यंत्रों और वैज्ञानिक खेती के तरीकों की जानकारी देना है। यह महोत्सव फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य कृषि संबंधी क्षेत्रों में नई तकनीकों का प्रदर्शन करेगा। इसके माध्यम से किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच संवाद, नई तकनीकों का प्रचार–प्रसार तथा क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार उपयोगी तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने में बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह महोत्सव खेती को अधिक लाभकारी एवं सतत् बनाने, कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार करने में सहायक होगा।

पूसा कृषि महोत्सव के प्रमुख आकर्षण

किसान–वैज्ञानिक संवाद (किसान गोष्ठी) उत्पादन प्रौद्योगिकियों, कृषि शिक्षा दिवस, विश्व मृदा दिवस इत्यादि पर विचार–विमर्श।	**प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शनी** मूल्यवर्धित और विविध उत्पाद जैसे शहद, बाजरा, मशरूम, मखाना आदि।
बीज, सब्जी, औषधीय और सुगंधित रोपण सामग्री प्रदर्शनी गुणवत्तापूर्ण बीजों की बिक्री, गुणवत्ता पर आधारित प्रीमियम पौधों की बिक्री, औषधीय पौधे व जड़ी–बूटियां।	**स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी** नवाचार, स्टार्टअप और क्रांतिकारी प्रौद्योगिकियां।
सरकारी योजनाएं प्रति बूंद अधिक फसल, किसान कॉल सेंटर, ड्रोन–दीदी, पॉली हाउस (ग्रीन हाउस), किसान क्रेडिट कार्ड आदि पर चर्चा।	**फसल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन** नई फसल किस्में जैसे चावल, गेहूं मक्का (क्यूपीएम), प्राकृतिक खेती / जैविक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल आदि।
उद्यानिकी प्रदर्शनी उन्नत फल, सब्जियां, फूल, मसाले, सुगंधित और औषधीय पौधे की जीवंत जानकारी।	**पशु प्रदर्शनी** देशी एवं विदेशी नस्लों के जानवरों और पक्षियों का रोमांचक प्रदर्शन।



आमंत्रण

कृषि और संबद्ध व्यवसायों से जुड़े व्यक्ति एवं संगठन, किसान, संस्थाएं, सरकारी और गैर–सरकारी संगठन, किसान उत्पादक संगठन, उत्पादक एवं निजी कृषि सम्बंधित कंपनी, विपणन संघ आदि पूसा कृषि महोत्सव– 2026 की प्रदर्शनी में भाग लेने, उपस्थित रहने एवं सहयोग करने के लिए सादर आमंत्रित हैं।

प्रदर्शकों के लिए स्टॉल में उपलब्ध सुविधाएं

- स्टॉल में 2 मेज और 2 कुर्सियां होंगी, साथ ही बिजली की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।
- विश्वविद्यालय को स्टॉल के लिए निर्धारित दरों में परिवर्तन, छूट और राहत देने का पूर्ण अधिकार होगा।

स्टॉल

पूसा कृषि महोत्सव के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित प्रकार के स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे:

- तीन तरफ से ढका हुआ स्टॉल, आकार 15'×12'×10'
- किराया मात्र रु. 8000/– (आठ हजार रुपये)

कार्यक्रम

03 दिसम्बर, 2026 (गुरुवार)	पंजीकरण, उद्घाटन और प्रदर्शनी
04 दिसम्बर, 2026 (शुक्रवार)	प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमिनार और प्रक्षेत्र भ्रमण
05 दिसम्बर, 2026 (शनिवार)	प्रदर्शनी, गोष्ठी, मूल्यांकन, पुरस्कार वितरण और समापन।

संयोजक

डॉ. रत्नेश कुमार झा
निदेशक, प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा, समस्तीपुर
Email : dee@rpcau.ac.in
Mob. No. : 6287797109, 9430804115

आयोजन सचिव

डॉ. मुकेश कुमार
प्राध्यापक (सस्यविज्ञान)अनुसंधान निदेशालय, रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा, समस्तीपुर
Email : mukesh.agron@rpcau.ac.in
Mob. No. : 9007444727

सह-आयोजन सचिव

डॉ. मोती लाल मीना
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृ.वि.के., बिरौली
रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा
Email: head.kvk.birauli@rpcau.ac.in
Mob. : 6287797157

डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल
सहायक प्राध्यापक (कृषि प्रसार शिक्षा)
प्रसार शिक्षा निदेशालय
रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा
Email: sudhanand.lal@rpcau.ac.in
Mob. : 7876890810

डॉ. संजीव कुमार
सहायक प्राध्यापक (कृषि प्रसार शिक्षा)
प्रसार शिक्षा निदेशालय
रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा
Email: sanjeevkumar@rpcau.ac.in
Mob. : 7206435658

डॉ. ध्रुव सिंह
सहायक प्राध्यापक (कीट विज्ञान)
प्रसार शिक्षा निदेशालय
रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा
Email: dhruvsingh385@rpcau.ac.in
Mob. : 9667846700

किसान कॉल सेन्टर : +91-6287797197

www.rpcau.ac.in | drpcaupusa | @Rpcau_pusa | @Rpcau_pusa | drpcaupusa | drpcau-pusa